सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 33 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 5 मार्च, 2022
मूल्य ₹ 3/-

मणिपुर में अब तक 47 फीसदी... 8

छठे द्वार पर भी हुई तीखी जंग... 3

रोड शो में गूंजते रहे जय अखिलेश... 7

इन्सान को कठिनाइयों की आवश्यकता होती है क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिये ये जरूरी है।
-डॉ. एपी. जे. अब्दुल कलाम

बदलाव की आहट! अखिलेश और मुलायम के पुराने बंगले की सफाई हो गयी शुरू

» राज्य संपत्ति विभाग के मुखिया हैं सीएम के चहेते अपर मुख्य सचिव एसपी गोयल

» कई भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे एसपी गोयल पर

» मतगणना से पहले नौकरशाह करने लगे अखिलेश की परिक्रमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सातवें चरण का चुनाव अभी बाकी है और विपक्ष के चहेते लोग सक्रिय हो गए है। सियासी सरगर्मियां इतनी तेज हैं कि बदलाव की आहट देख यूपी सरकार के राज्य संपत्ति विभाग ने अखिलेश और मुलायम सिंह के पुराने बंगलों की साफ-सफाई शुरू करवा दी है। फिलहाल संपत्ति विभाग का प्रभार सीएम योगी के अपर मुख्य सचिव एसपी गोयल के पास है।

शायद इसी वजह से इन दोनों बंगलों का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। 5 नंबर बंगले की दीवारों और छतों पर प्लास्टर के साथ फिटिंग बदली जा रही है। शीशे बदले हैं। ट्रीटमेंट लगातार जारी है। गोयल के बारे में बता दें तो ये वहीं है, जिनके ऊपर एक युवक ने बीस लाख की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। गोयल पर कई भ्रष्टाचार के आरोप भी है। अब जब अखिलेश सरकार बनने की चर्चाएं हैं। संभावनाएं दिख रही है तो ये आईएएस भी मौसम में बदलाव मानकर विपक्ष को खुश करने में जुट गए हैं। मतगणना से पहले ही नौकरशाह अखिलेश की परिक्रमा करने लगे हैं।

विक्रमादित्य मार्ग पर चार और पांच नंबर के बंगले तीन साल आठ महीने से बंद थे। मगर अब इनकी सफाई जारी है। जबकि मायावती को पूर्व आवंटित 13ए माल एवेन्यू अभी खाली है, वहां अब तक कोई हलचल नहीं है। सुप्रीमकोर्ट के आदेश के बाद जून 2018 में पूर्व मुख्यमंत्रियों के ये दोनों बंगले खाली हुए थे। यूपी चुनाव का रिजल्ट दस मार्च को आएगा।

सपा के कार्यकाल में बने पार्कों और रिवर फ्रंट की भी साफ-सफाई शुरू

लखनऊ विकास प्राधिकरण ने भी जनेश्वर मिश्र पार्क, लोहिया पार्क व रिवर फ्रंट की साफ-सफाई, पौधों व घास के मैदानों को हरा-भरा करने के लिए सिंचाई शुरू कर दी है। इन्हें सपा सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट माना जाता था। ऐसी तेजी बसपा सरकार में बने स्मारकों व पार्कों पर नहीं है। वहीं भाजपा सरकार में बने दीनदयाल स्मृतिका के रखरखाव की भी कोई पहल नहीं की गई है।

आखिरी चरण में भी डूब जाएगा भाजपा का सूरज : अखिलेश

» अब तक के हुए सभी छह चरणों में भाजपा की निकल गई भाप

» किसानों की आय नहीं हुई दोगुनी, शिक्षामित्रों की करेंगे मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आजमगढ़। सातवें चरण के चुनाव से पूर्व आजमगढ़ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि अब तक के हुए सभी चरणों में भाजपा का पता नहीं लगा है। भाजपा की भांप पूरी तरह निकल गई है। अंतिम चरण में भी भाजपा का पूरी तरह सफाया हो जाएगा। इनका सूरज डूब जाएगा। इस बार आजमगढ़ की सभी सीटें सपा को मिलेंगी। जनता के समर्थन के सामने कोई टिकने वाला नहीं है। जो गर्मी निकालने की बात कर रहे थे उनके नेता ठंडे पड़ गए हैं। सड़क पर भी भाजपा का झंडा नहीं दिख रहा है। इस बार भाजपा के बूथ पर भूत नजर आएंगे।

अखिलेश ने कहा आजमगढ़ की जो हवा है वो दस की दस सीटें जिताएगी। यहां किसी भी दल का खाता नहीं खुलेगा। जो लोग लाल टोपी की बुराई करते थे और टोपियां के साथ अन्याय किया, रंग बदलते देख टोपी पहन ली। उन्होंने कहा ये कोई भी रंग बदल ले, जनता इनको सबक सिखाकर रहेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जनता को धोखा दिया। वे मिसकॉल कर दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनाते हैं लेकिन उनसे बड़ा झूठ कोई नहीं बोलता। इनका जो जितना बड़ा नेता है वह उतना बड़ा झूठ बोलता है। भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था लेकिन क्या किसी किसान की आय दोगुनी हुई? किसानों को खाद नहीं मिली। जिन्हें मिली भी उसमें से पांच किलो की चोरी हो गयी। यदि ये दोबारा सरकार में आ गए तो दस किलो की चोरी करेंगे। भाजपा ने कहा था कि हवाई चप्पल पहनने वाला हवाई जहाज पर चलेगा लेकिन सत्ता में आते ही इन्होंने हवाई जहाज बेच दिए। हवाई अड्डे बेच दिए। रेलवे बेच दी। रेलवे की कीमती जमीनें बेच रहे हैं। जब सब बिक जाएगा तो नौकरी और रोजगार कौन देगा। उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनेगी तो बीएड टेट के लोगों को समायोजित करने का काम किया जाएगा। 11 लाख सरकारी नौकरियां खाली हैं। सब पर भर्ती करेंगे। शिक्षामित्रों की भी मदद करेंगे। सात मार्च को सातवें चरण का मतदान है।

भाजपा की सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पुत्र मयंक जोशी सपा में शामिल

आजमगढ़ के गोपालपुर में समाजवादी पार्टी की जनसभा में भाजपा की सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पुत्र मयंक जोशी सपा में शामिल हुए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मयंक जोशी का मंच पर स्वागत किया। सभा में पूर्व आईएएस फतेह बहादुर सिंह भी मंच पर मौजूद थे। अखिलेश ने मयंक जोशी और फतेह बहादुर सिंह की तारीफ की।

2024 में चुनाव लड़ना चाहते हैं रॉबर्ट वाड्रा!

» प्रियंका गांधी के पति वाड्रा बोले- ला सकता हूं बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रियंका गांधी के पति और बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा ने पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। वाड्रा ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वाड्रा ने कहा कि हर कोई मुझसे संसद में एंट्री के लिए मुरादाबाद या यूपी के किसी अन्य शहर को चुनने की उम्मीद कर रहा है।

वाड्रा ने कहा कि जैसा कि लोगों को मुझसे बहुत उम्मीदें हैं, मैं देखूंगा कि मैं 2024 के आम चुनाव में भाग ले सकता हूं या नहीं। मैं हर दिन लोगों की सेवा में लगा हूं। उन्होंने कहा उन्हें राजनीति में बदलाव लाने को लेकर भरोसा है और वह लोगों के जीवन को बेहतर बनाना चाहते हैं। वाड्रा ने कहा चुनाव हो या न हो... मैं देश भर के मंदिरों, मस्जिदों, चर्चों या यहां तक कि गुरुद्वारों में जाता हूं। जब मैं इतने लंबे समय तक कड़ी मेहनत कर रहा हूं, तो मुझे लगता है कि मैं राजनीति में फर्क ला पाऊंगा। जब प्रियंका घर आती हैं, तो हम राजनीति की बात करते हैं। हम चर्चा करते हैं कि गांवों में लोगों की पीड़ा को कैसे कम किया जाए। रॉबर्ट वाड्रा पहले भी राजनीतिक कदम उठाने के संकेत दे चुके हैं। वाड्रा ने बार-बार कहा है कि वह लोगों की सेवा करने में एक बड़ी भूमिका चाहते हैं। मालूम हो कि मनी लॉन्ड्रिंग और जमीन हड़पने के मामलों में ईडी ने हाल के दिनों में उनसे कई बार पूछताछ की है।

राहुल-प्रियंका के खून में है राजनीति

वाड्रा प्रियंका गांधी को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। वाड्रा ने कहा राहुल गांधी और प्रियंका गांधी कभी भी किसी पद के बारे में नहीं सोचते हैं। राजनीति उनके खून में है। वे हर जगह लोगों के लिए कड़ी मेहनत करते रहेंगे। लोग उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं, लेकिन यह उनका निर्णय होगा कि वह केवल यूपी तक ही सीमित रहना चाहेंगी या राष्ट्रीय स्तर पर जाएंगी, क्योंकि वह एक राष्ट्रीय नेता हैं।

गरीबों के लिए भाजपा सरकार में सुविधा नहीं : मुलायम सिंह

» जनता की उम्मीदों को पूरा करना हमारा लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने पूर्वांचल की चर्चित सीटों में से जौनपुर के मल्हनी विधानसभा में जनसभा को संबोधित किया। संबोधन के दौरान बुजुर्ग मुलायम सिंह यादव को दो बार बैठना पड़ा। इस दौरान मुलायम सिंह ने कहा कि अगर देश का विकास करना है तो किसानों को सुविधा देनी होगी। हालांकि इस दौरान उनकी जुबान फिसल गई और वे बोल पड़े कि व्यापारियों की जो पैदावार है उसकी कीमत मिलना चाहिए, तो व्यापारी ज्यादा ज्यादा व्यापार करेंगे और जनता को सारी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सपा नेता ने अपने संबोधन में लोगों से संकल्प भी दिलवाया कि वह समाजवादी पार्टी को वोट करें। उन्होंने कहा कि नौजवान बेरोजगार है, किसान को पैदावार की मेहनत नहीं मिल रही है। समाजवादी पार्टी ने गरीबों, नौजवानों की बात कही है। किसान को उसकी कीमत नहीं मिल रही है। सपा नेता ने आरोप लगाया कि आज की सरकार में किसान की उपेक्षा हो रही है। नौजवान को नौकरी नहीं मिल रही। सपा का लक्ष्य है कि गरीब, किसान, बेसहारा को विशेष सुविधा मिले। मुलायम सिंह यादव ने कहा कि जनता को सपा पर विश्वास

है। सपा जो कहती है वो करती है। उन्होंने कहा कि कोई और राजनीतिक दल वादा पूरा नहीं करता। सपा नेता ने कहा कि आज के समय में व्यापारी को लाभ नहीं मिल रहा। सपा इसके लिए काम करेगी। मुलायम सिंह ने बिना धनंजय सिंह का नाम लिए कहा कि उधर अन्याय अत्याचार करने वाले लोग हैं। मल्हनी से सपा प्रत्याशी लकी यादव के पक्ष में प्रचार करने आए मुलायम सिंह यादव ने कहा कि देश का विकास करना है तो किसानों को सुविधा देनी होगी और नौजवान के बारे में सोचना होगा। मुलायम सिंह ने कहा कि जनता इतनी बड़ी संख्या में हमारे साथ आई है। जनता की उम्मीदों को पूरा करना हमारा लक्ष्य है। आज देख रहे हैं क्या हाल है कहीं पर हिंसा है कहीं अत्याचार है कहीं जाति के नाम पर भेदभाव हो रहा है। हम कोई भेदभाव नहीं करेंगे सबको साथ लेकर चलेंगे।

दस मार्च को गाना बजेगा चल सन्यासी मंदिर में : राजभर

» अखिलेश सरकार बनेगी तो पूरे होंगे जनता के वादे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाराणसी में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) प्रमुख ओम प्रकाश राजभर योगी सरकार के खिलाफ जमकर बरसे। ओपी राजभर ने बीजेपी की हार का दावा करते हुए हिंदी फिल्मों के दो पुराने गानों से बीजेपी पर तंज कसा और कहा 10 मार्च को यूपी में ये दो गाने बजेंगे। एक मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है और दूसरा गाना होगा चल संन्यासी मंदिर में...।

उन्होंने आरोप लगाया कि बनारस कचहरी में मेरे ऊपर भाजपा वालों ने हमला किया था। मैं चाहता तो वहीं दो-दो हाथ कर सकता था लेकिन उसके बाद स्थिति बहुत बिगड़ जाती। मेरे लोग भी डिस्टर्ब होते। मैं ऐसा बिल्कुल नहीं चाहता था। राजभर ने योगी सरकार पर जोरदार प्रहार करते हुए अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने की अपील की। रैली के दौरान अखिलेश के हेलिकॉप्टर के आसपास जुटी भीड़ को लेकर राजभर ने कहा कि ये लोग तो इस पर कब्जा करना चाहते हैं। उन्होंने मुस्कुराते हुए यह भी वादा किया कि 10 हेलिकॉप्टर यहां लाकर लोगों को बिठाया जाएगा। अखिलेश को मुख्यमंत्री बना लो, हेलिकॉप्टर खड़ा कर दिया जाएगा।

योगी को पहनानी है मिस्टर इंडिया वाली घड़ी : जयंत

राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि यूक्रेन से भारतीयों को वापस लाने के अभियान को ऑपरेशन गंगा का नाम देकर बीजेपी युद्ध की विभीषिका से भी चुनावी लाभ लेने की कोशिश कर रही है। वास्तव में बीजेपी वाले मदारी हैं। सिर्फ तमाशा करने में विश्वास रखते हैं। सीएम योगी को कोई बाबा कहता है, कोई बुलडोजर बाबा। आज मैं उन्हें एक और नाम दे रहा हूं। मेरी नजर में वह बाबा मोगैंबो वाले हैं। अब समय आ गया है, उनको मिस्टर इंडिया वाली घड़ी पहना कर प्रदेश के परिदृश्य से गायब कर देना है।

छात्रों को सुरक्षित लाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध: हेमा मालिनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। यूक्रेन में फंसे भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने के लिए भारत सरकार लगातार जुटी हुई है। ऑपरेशन गंगा के तहत वहां से भारतीय छात्र-छात्राओं को वापस लाया जा रहा है। मथुरा जिले के छह छात्र घर वापस आ चुके हैं। अभी भी कई बच्चे वहां फंसे हुए हैं, जिनको वतन वापसी का इंतजार है। मथुरा की भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की तारीफ की है।

उन्होंने कहा यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों के लिए सभी चिंतित हैं। दुनिया के कई देशों ने वहां फंसे अपने नागरिकों को असुरक्षित छोड़ दिया है। भारत सरकार अपने छात्रों को वापस लाने में जुटा हुआ है। मुझे भारत पर गर्व है। पीएम मोदी पर

भरोसा है, जो हमारे नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि भारत सरकार ऑपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इसके लिए केंद्र सरकार के चार मंत्रियों को वहां भेजा गया है। उन्होंने अपने संदेश में कर्नाटक के छात्र की मौत पर दु:ख जताया। उन्होंने कहा कि मृतक छात्र के परिवार के प्रति उनकी गहरी संवेदना है। हेमा मालिनी ने सभी भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रार्थना की।

अंतिम चरण में मजदूरों का वोट अहम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। सभी प्रमुख दल अंतिम चरण में मतदाताओं को साधने की कोशिश में लगे हैं। राजनीतिक दलों ने इस क्षेत्र में अपनी रणनीति के केंद्र में मजदूर वर्ग को प्रमुखता से रखा है। सरकार की मजदूरों व गरीबों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की परख सही मायनों में इसी चरण में होगी। सातवें चरण में पूर्वांचल के आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, गाजीपुर, चंदौली और सोनभद्र जिले की 54 सीटें शामिल हैं। आजमगढ़ और जौनपुर जिले को सपा का गढ़ माना जाते हैं तो मऊ और गाजीपुर में उसके सहयोगी ओम प्रकाश राजभर और जनवादी पार्टी के प्रमुख संजय चौहान का असर है। वहीं, बाकी जिले में बीजेपी और उसके सहयोगी अपना दल (एस) का प्रभाव माना जाता है। इन जिलों में किसानों के साथ ही मजदूर वर्ग की बड़ी तादाद है।

भाजपा जीत के सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी : संजय निषाद

» कहा कि लोकतंत्र में मतदान अहम है, सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में हर पार्टी अपनी-अपनी जीत का दावा कर रही है। ऐसे में निषाद पार्टी भी भाजपा के साथ गठबंधन कर चुनाव 2022 में उतरी है। यूपी चुनाव को लेकर कहा कि इस बार भाजपा 300 से अधिक सीटें जीतेगी। यूपी में भाजपा के सत्ता में आने पर कैबिनेट पद मिलने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर संजय निषाद ने कहा कि जब भाजपा एक साधारण चायवाले को पीएम बना सकती है, तो पार्टी निषाद के बेटे को कुछ भी बना सकती है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदान

अहम है, सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए, जिससे लोकतंत्र मजबूत हो और एक अच्छी सरकार बने। उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा जीत के सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी। उन्होंने कहा हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र को मजबूत बनाएं और एक अच्छी सरकार बनाने में सहयोग करें।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

प्रत्याशियों को राजस्थान भेज सकती हैं कांग्रेस

» कांटे का मुकाबला होने की वजह से भाजपा भी परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव का नतीजा आने से पहले भाजपा और कांग्रेसी दिग्गज अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। लेकिन कांटे का मुकाबला होने की वजह से उनके दिल भी धक-धक कर रहे हैं। इस बीच सियासी हलकों में अटकलें हैं कि कांग्रेस अपने जिताऊ माने जाने वाले प्रत्याशियों को राजस्थान या छत्तीसगढ़ भेज सकती है। हालांकि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ऐसी किसी भी संभावना से साफ इनकार कर रहे हैं।

गोदियाल कहते हैं कि उन्हें कोई डर नहीं है, लेकिन भाजपा येन केन प्रकरण सत्ता प्राप्त करना चाहती है। सियासी हलकों में यदि ये कयास बाजियां तेजी से

मतगणना की तैयारी को लेकर होगी भाजपा की बैठक

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव की मतगणना में पार्टी कार्यकर्ताओं की भूमिका तय करने के लिए सात मार्च को एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। इस बैठक को पार्टी के प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी संबोधित करेंगे। बैठक में विधानसभा वार मतगणना की तैयारियों के लिए रणनीति बनेगी। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने बताया कि 10 मार्च को मतगणना होनी है। इसकी तैयारी के लिए सुभाष रोड स्थित एक होटल में सात मार्च को एक बैठक रखी गई है। यह बैठक सुबह 11 बजे शुरू होगी। बैठक में मतगणना को लेकर रणनीति बनाई जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष, मुख्यमंत्री के अलावा इसमें सभी सांसद, प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रत्याशी व सभी विधानसभा प्रभारी शामिल होंगे। बैठक में पार्टी के सक्रिय और तेजतर्रार कार्यकर्ताओं के बारे में चर्चा होगी।

हो रही हैं कि उसने अपने जिताऊ प्रत्याशियों को कांग्रेस शासित राज्य राजस्थान व छत्तीसगढ़ भेजने की तैयारी कर ली है तो इसे कोई हैरानी वाली बात नहीं होगी। स्वयं गोदियाल कह रहे हैं कि 2016 में भाजपा ने जो किया, वह बताता है कि वह हर हाल में सत्ता प्राप्त करना चाहती है। वह कर्नाटक, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि भाजपा के लिए सत्ता के आगे कोई नैतिकता नहीं है।

छठे द्वार पर भी हुई तीखी जंग, बागियों ने बिगाड़ा कई दिग्गजों का समीकरण

ब्राह्मण नहीं परशुराम चाहिए की बिसात का असर वोटिंग के दौरान कई इलाकों में नजर आया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के रण में छठे द्वार पर भी तीखी जंग हुई। कहीं आमने-सामने की लड़ाई रही, कहीं तीन तरफ से हमला हुआ तो कुछेक जगह चौतरफा हमला हुआ। इस चरण के बड़े परीक्षार्थी रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मंत्री जय प्रताप, पलटूराम, नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी, पूर्व मंत्री लालजी वर्मा, रामअचल राजभर, अजय कुमार लल्लू और स्वामी प्रसाद मौर्य। जनता ने सबके प्रदर्शन को देखा, परखा... पर, अंक दिया अपने भरोसे की कसौटी पर कसकर। जिन 57 सीटों पर चुनाव हुआ है, उनमें से ज्यादातर पर भाजपा-सपा में सीधी लड़ाई हुई है। कई सीटों पर बसपा व कांग्रेस के प्रत्याशियों ने मुकाबले को त्रिकोणीय बनाया।

बागियों व निर्दलीयों ने कुछेक जगह कड़ी टक्कर देकर चुनाव को बहुकोणीय बना दिया। बलरामपुर, गोरखपुर व सिद्धार्थनगर से लेकर बलिया तक तक कई सीटों पर बागी चुनाव पर असर डालते नजर आए हैं। गोरखपुर शहर अपना मुख्यमंत्री फिर बनाने को ध्यान में रखकर वोट करता दिखा। तो गोरखपुर के चर्चित चिल्लूपार क्षेत्र में मतदान से पहले की रात में 'ब्राह्मण नहीं परशुराम चाहिए' की बिसात का असर वोटिंग के दौरान कई इलाकों में नजर आया। अंबेडकरनगर में बड़े नेताओं के अलग होने के बाद भी बसपा अपना आधार वोट बैंक सहेजे हुए दिखी। बलरामपुर के उतरौला में सपा के एक पूर्व विधायक की कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन की चर्चा का वोटिंग में कई जगह पर असर दिखा। गोरखपुर की चौरी-चौरा, बलरामपुर की तुलसीपुर व बलिया की बैरिया सीट पर बागियों का तगड़ा असर दिखा। पिछले पांच चरणों की तरह बृहस्पतिवार के मतदान में भी मुस्लिम व यादवों की तगड़ी एकजुटता दिखी। तो, मुफ्त राशन, राम मंदिर व बेहतर कानून-व्यवस्था के साथ पूर्वांचल में हुए काम भी वोटर गिनाते नजर आए हैं। जगह-जगह मतदाताओं का जातीय हिसाब से भी झुकाव दिखा। छठे चरण के मतदान के साथ ही विधानसभा की 349 सीटों पर चुनाव संपन्न हो गया। आखिरी व सातवें चरण में 54 सीटों के लिए 7 मार्च को मतदान होगा।

बलरामपुर : हर जगह त्रिकोणीय लड़ाई

बलरामपुर सुरक्षित सीट पर भाजपा से राज्यमंत्री पलटूराम व सपा से पूर्व विधायक जगराम पासवान के बीच आमने-सामने की लड़ाई नजर आई। तुलसीपुर में भाजपा विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, सपा के पूर्व विधायक मशहूद खां और निर्दल जेबा रिजवान के बीच त्रिकोणीय लड़ाई नजर आई। जेबा पूर्व सांसद रिजवान जहीर की बेटी हैं। पिता के साथ हत्या के एक मामले में जेल में होने से जेबा को कई जगह सहानुभूति भी मिलती दिखी। इसी तरह उतरौला में भाजपा विधायक राम प्रताप वर्मा, सपा प्रत्याशी हसीब खान, कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू के बीच त्रिकोणीय लड़ाई दिखी। यहां सपा के एक पूर्व विधायक का धीरू के समर्थन की चर्चा भी खूब रही। हालांकि, पूर्व विधायक ने समर्थन की चर्चा को गलत ठहराया।

गोरखपुर : योगी का पलड़ा भारी

गोरखपुर शहर में भाजपा प्रत्याशी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा प्रत्याशी सुभावती शुक्ला के बीच लड़ाई नजर आई। कई क्षेत्रों में मतदाता यहां पूर्वांचल के लिए फिर मुख्यमंत्री के लिए मतदान करते दिखे। शहर सीट पर योगी का पलड़ा भारी नजर आया। यहां आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद भी थे। उनका खास असर नहीं दिखा। गोरखपुर ग्रामीण में भाजपा विधायक विपिन सिंह और सपा के विजय बहादुर यादव के बीच तगड़ा मुकाबला है। निषाद मतों का बिखराव हुआ है। बसपा प्रत्याशी दारा सिंह निषाद मुकाबले को त्रिकोणीय बनाते नजर आए।

देवरिया : कृषि मंत्री को मिली कड़ी टक्कर

देवरिया सदर में यादव, सैंथवार व मुस्लिम मतदाताओं का झुकाव सपा के अजय कुमार सिंह की ओर जबकि अन्य वर्गों का रुझान भाजपा प्रत्याशी शलभ मणि त्रिपाठी की ओर नजर आया। रामपुर कारखाना में सपा प्रत्याशी गजाला लारी व भाजपा के सुरेंद्र चौरसिया के बीच सीधा मुकाबला नजर आया। यहां सपा प्रत्याशी काडर वोट के साथ ब्राह्मण मतों में भी सेंधमारी करती दिखीं। बरहज में भाजपा के दीपक मिश्रा व सपा के मुरली मनोहर के बीच लड़ाई दिखी। रुद्रपुर में भाजपा से राज्यमंत्री जय प्रकाश निषाद, भाजपा से बसपा में आए विधायक सुरेश तिवारी तथा कांग्रेस के पूर्व विधायक अखिलेश प्रताप सिंह के बीच त्रिकोणीय लड़ाई हुई है। पथरदेवा में कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही व सपा से पूर्व मंत्री ब्रह्माशंकर के बीच कांटे की लड़ाई दिखी।

कुशीनगर : स्वामी प्रसाद मौर्य कांटे की लड़ाई में

कुशीनगर की प्रतिष्ठापूर्ण फाजिलनगर सीट पर भाजपा को छोड़कर सपा में आए पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य व भाजपा विधायक गंगा कुशवाहा के पुत्र सुरेंद्र कुशवाहा के बीच कांटे की टक्कर नजर आई। कुछ इलाकों में बसपा उम्मीदवार मुहम्मद इलियास अंसारी के पक्ष में मुस्लिम जाते दिखे। इसी तरह कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू तमकुहीराज से मैदान में हैं। यहां उन्हें भाजपा के डॉ. असीम कुमार व सपा के उदय नारायण गुप्ता से कड़ी चुनौती मिलती नजर आई। कुशीनगर में भाजपा के पीएन पाठक और सपा के राजेश प्रताप राव उर्फ बंटी में नजदीकी मुकाबला दिखा। हाटा में भाजपा के मोहन वर्मा व सपा के रणविजय सिंह के बीच मुकाबला नजर आया।

बलिया : बांसडीह में राम गोविंद को कड़ी चुनौती

बलिया की प्रतिष्ठापूर्ण बांसडीह सीट पर नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी व भाजपा समर्थित केतकी सिंह, फेफना में भाजपा से राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उपेंद्र तिवारी व सपा के संग्राम सिंह, बलिया में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह व सपा के नारद राय और सिकंदरपुर में भाजपा के संजय यादव व सपा के जियाउद्दीन रिजवी के बीच सीधा मुकाबला नजर आया। रसड़ा में बसपा विधायक उमाशंकर सिंह, सुभासपा के महेंद्र चौहान व भाजपा के पूर्व सांसद बब्बन राजभर के बीच त्रिकोणीय लड़ाई नजर आई। बेल्थरारोड में भाजपा के छट्ठूराम, सुभासपा के हंसू राम की सीधी लड़ाई में बसपा के प्रवीण प्रकाश कई इलाकों में त्रिकोण बनाते दिखे। यहां भाजपा से राज्यमंत्री आनंद स्वरूप शुक्ला, सपा से पूर्व विधायक जय प्रकाश अंचल, बसपा के सुभाष यादव तथा वीआईपी के प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह मुकाबले को चतुष्कोणीय बनाते नजर आए। सुरेंद्र बगावत कर वीआईपी से मैदान में हैं।

अंबेडकरनगर : किसी के लिए फूल, किसी के लिए कांटे

अंबेडकर नगर बसपा का गढ़ रहा है। बसपा के शुरुआती दिनों से ही हाथी के साथी रहे पूर्व मंत्री लालजी वर्मा व राम अचल राजभर और पूर्व सांसद त्रिभुवन दत्त के सपा में जाने के बाद यह पहला चुनाव है। लेकिन, बसपा यहां अपना बेस वोट बचाती दिखी। बसपा प्रत्याशी सभी पांच सीटों पर त्रिकोणीय लड़ाई लड़ते नजर आए। अकबरपुर में सपा के रामअचल राजभर, भाजपा के धर्मराज निषाद व बसपा के चंद्र प्रकाश वर्मा के बीच त्रिकोणीय लड़ाई नजर आई। इसी तरह कटेहरी में सपा के लालजी वर्मा, भाजपा समर्थित निषाद पार्टी के अवधेश द्विवेदी व बसपा के प्रतीक पांडेय के बीच तथा टांडा में सपा के राममूर्ति वर्मा, भाजपा के कपिल देव वर्मा व बसपा की शबाना खातून त्रिकोण बनाती दिखीं

संतकबीरनगर : त्रिकोणीय लड़ाई में फंसीं सीटें

खलीलाबाद सीट से भाजपा के अंकुर राज तिवारी, सपा से दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे और बसपा के आफताब आलम के बीच लड़ाई नजर आई। कई क्षेत्रों में पीस पार्टी से डॉ. अयूब और आम आप से पूर्व सांसद स्व. भालचंद यादव के बेटे सुबोधचंद यादव भी अच्छा प्रदर्शन करते नजर आए। मेंहदावल में भाजपा और निषाद पार्टी गठबंधन के प्रत्याशी अनिल कुमार त्रिपाठी, सपा से जयराम पांडेय और बसपा से मो. ताबिश खां के बीच त्रिकोणीय लड़ाई नजर आई। धनघटा में भाजपा के गणेशचंद्र चौहान, सपा व सुभासपा गठबंधन के प्रत्याशी अलगू चौहान तथा बसपा के संतोष चौहान के बीच त्रिकोणीय लड़ाई नजर आई।

सिद्धार्थनगर : सतीश द्विवेदी और माता प्रसाद में मुकाबला

प्रतिष्ठापूर्ण इटवा सीट पर सपा के माता प्रसाद पांडेय और भाजपा से राज्यमंत्री डॉ सतीश चंद्र द्विवेदी के बीच सीधे मुकाबले को बसपा के हरिशंकर सिंह त्रिकोणीय बनाते नजर आए। इलरियागंज में भाजपा के राघवेंद्र प्रताप सिंह व सपा की सैय्यदा खातून के बीच सीधा मुकाबला दिखा। यहां बसपा के अशोक तिवारी त्रिकोण बनाते दिखे। बांसी में स्वास्थ्य मंत्री जयप्रताप सिंह और सपा के नवीन उर्फ मोनू दूबे के बीच सीधी लड़ाई बनती नजर आई। कपिलवस्तु में भाजपा के श्यामधनी राही व सपा के विजय पासवान के बीच मुकाबला दिखा। शोहरतगढ़ में भाजपा व अपना दल (एस) प्रत्याशी विनय वर्मा, सपा-सुभासपा प्रत्याशी प्रेमचंद्र निषाद, कांग्रेस के रवींद्र प्रताप उर्फ पप्पू चौधरी तथा बसपा के राधारमण त्रिपाठी के चतुष्कोणीय लड़ाई नजर आई।

बस्ती व महराजगंज : ज्यादातर जगहों पर त्रिकोणीय लड़ाई

नौतनवां सीट पर भाजपा की सहयोगी निषाद पार्टी के ऋषि त्रिपाठी, सपा के कौशल सिंह और बसपा के अमनमणि त्रिपाठी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला नजर आया। फरेंदा में भाजपा के बजरंग बहादुर सिंह और कांग्रेस के वीरेंद्र चौधरी के बीच कड़ा मुकाबला है। सपा के पूर्व मंत्री शंखलाल मांझी लड़ाई को त्रिकोणीय बना रहे हैं। बस्ती के कप्तानगंज क्षेत्र में भाजपा के चंद्रप्रकाश शुक्ला और सपा के अतुल चौधरी के बीच मुकाबला दिखा। अतुल पूर्व मंत्री राम प्रसाद चौधरी के बेटे हैं। हर्रैया में भाजपा के अजय सिंह, सपा के त्र्यंबकनाथ पाठक व बसपा से पूर्व मंत्री राजकिशोर के बीच मुकाबला नजर आया।

छठे चरण में 55.70 फीसदी मतदान

छठे चरण में 10 जिलों की 57 सीटों पर 55.70 फीसदी मतदाताओं ने सरकार चुनने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। साथ ही 403 विधानसभा सीटों में से 349 सीटों पर मतदान संपन्न हो गया। सातवें और अंतिम चरण में सात मार्च को नौ जिलों की 54 सीटों पर मतदान होगा। 10 मार्च को वोटों की गिनती होगी। छठे चरण में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नेता विरोधी दल राम गोविंद चौधरी, कई मंत्री व पूर्व मंत्रियों के अलावा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि खराबी के चलते 68 मशीनों को बदला गया। 433 वीवीपैट को भी बदला गया। वहीं, प्रयागराज की हंडिया सीट के एक बूथ पर पुनर्मतदान में करीब 60 फीसदी वोट पड़े। इस चरण में लगभग एक लाख मतदाताओं ने पोस्टल बैलेट का इस्तेमाल किया। बुजुर्गों, दिव्यांगों, अनिवार्य सेवा व मतदान कर्मियों को 91,027 पोस्टल बैलेट जारी किए गए थे। इनमें से 64611 लोगों ने वोट डाले। 42124 सर्विस वोटरों ने पोस्टल बैलेट से मतदान किया।

ज़िद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

राजनीति में हाशिये पर महिला नेतृत्व

> राजनीति में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व न मिलने से महिला सशक्तीकरण की संभावनाएं हाशिये पर चली जाती हैं और यह स्थिति विश्वभर की है। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2021 के मुताबिक विश्व भर में 35,500 संसदीय सीटों (156 देशों) में महिलाओं की उपस्थिति मात्र 26.1 प्रतिशत है। रिपोर्ट बताती है कि 156 देशों में से 81 देशों में उच्च राजनीतिक पदों पर महिलाएं नहीं रही हैं। अपने देश के सभी राज्यों की विधानसभाओं में नौ फीसदी महिला विधायक थीं।

राजनीति में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व न मिलने से महिला सशक्तीकरण की संभावनाएं हाशिये पर चली जाती हैं और यह स्थिति विश्वभर की है। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2021 के मुताबिक विश्व भर में 35,500 संसदीय सीटों (156 देशों) में महिलाओं की उपस्थिति मात्र 26.1 प्रतिशत है। यह रिपोर्ट बताती है कि 156 देशों में से 81 देशों में उच्च राजनीतिक पदों पर महिलाएं नहीं रही हैं। स्वीडन, स्पेन, नीदरलैंड और अमेरिका जैसे लिंग समानता के मामले में अपेक्षाकृत प्रगतिशील माने जाने वाले देश इनमें शामिल हैं। ऐसे में भारत के पांच राज्यों के चुनावी समर में एक प्रश्न अपना उत्तर ढूंढ रहा है कि महिलाओं के हिस्से आखिर राजनीतिक नेतृत्व क्यों नहीं? 2018 के आर्थिक सर्वे के मुताबिक अपने देश के सभी राज्यों की विधानसभाओं में सिर्फ नौ फीसदी महिला विधायक थीं। विश्व की तमाम संस्थाएं स्वीकार करती हैं कि महिलाओं की पूर्ण और प्रभावी राजनीतिक भागीदारी मानवाधिकार, समावेशी विकास और सतत विकास का मामला है। निर्णय लेने और राजनीतिक भागीदारी के सभी स्तरों पर पुरुषों के साथ समान शर्तों पर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी समानता, शांति और लोकतंत्र की उपलब्धि है और निर्णय प्रक्रिया में उनके दृष्टिकोण और अनुभवों को शामिल करने के लिए आवश्यक है। इसके बावजूद क्यों महिलाओं को राजनीति से दूर रखने के लिए पितृसत्तात्मक व्यवस्था अनवरत प्रयास करती आ रही है? यह स्थिति उन देशों में भी है, जो महिला सशक्तीकरण की उज्ज्वल छवि वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करते आए हैं। रेक्यिवेक इंडेक्स 20-21 के 'सत्ता में पदों के लिए स्त्री के संबंध में दृष्टिकोण अध्ययन में सम्मिलित जी-7 देशों के बीस हजार वयस्कों की, महिलाओं के राजनीति में नेतृत्व को लेकर जो विचार हैं, वे अचंभित करते हैं।

हैरान करने वाला तथ्य तो यह है कि जिस युवा पीढ़ी (18-34 वर्ष) को आधुनिक विचारों का पैरोकार समझा जाता है, वह पीढ़ी महिलाओं के राजनीति में प्रभावशील नेतृत्व को लेकर संकुचित विचारधारा रखती है, बनिस्बत अपनी पुरानी पीढ़ी के। हिलेरी क्लिंटन ने अपनी किताब व्हाट हैपेंड में लिखा 'यह पारंपरिक सोच नहीं है कि महिलाएं नेतृत्व करें या राजनीति के दांव-पेच में शामिल हों। यह न तो पहले सामान्य था और न ही आज। अक्टूबर 2018 में प्रकाशित अध्ययन सेक्सिज्म हैरेसमेंट ऐंड वायलेंस अगेंस्ट विमेन इन पार्लियामेंट 45 यूरोपीय देशों की 123 संसदीय महिलाओं के साथ साक्षात्कार पर आधारित है। यह अध्ययन बताता है कि यूरोप की संसदों में महिलाओं के खिलाफ यौनवाद, दुर्व्यवहार और हिंसा के कृत्य पाए जाते हैं। अध्ययन में सम्मिलित 85.9 प्रतिशत महिला सांसदों ने कहा कि उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान मनोवैज्ञानिक हिंसा का सामना करना पड़ता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चिंताजनक बेरोजगारी की चुनौती

आरएस पांडे

लगभग हर परिवार, विशेषकर गरीब व मध्य वर्ग, में ऐसे युवा हैं, जो रोजगार की तलाश में हैं, पर मांग के हिसाब से अवसर बहुत कम हैं। इसका परिणाम कई तरह से सामने आ रहा है। पिछले माह बिहार और उत्तर प्रदेश में भारतीय रेल की 35 हजार नौकरियों के लिए हुई भर्ती परीक्षा को लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। इन नौकरियों के लिए सवा करोड़ शिक्षित युवाओं ने आवेदन किया था। चार साल पहले एमबीए और इंजीनियरिंग स्नातकों समेत दो लाख लोगों ने मध्य प्रदेश की अदालतों में सफाईकर्मी, चालक, चपरासी, सुरक्षाकर्मी आदि के 738 पदों के लिए आवेदन दिया था। ये उदाहरण इंगित करते हैं कि रोजगार संकट कितना गहरा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, 2020 में बेरोजगारी के कारण 3548 लोगों ने आत्महत्या कर ली, जो हालिया वर्षों में सबसे बड़ी संख्या है।

वर्ष 2014 में सत्ता में आने के तुरंत बाद एनडीए सरकार ने कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय का गठन किया था, जिससे आशा बंधी थी कि कुशल कामगारों की मांग व आपूर्ति के बीच सामंजस्य बनेगा और कौशलयुक्त भारत का लक्ष्य साकार हो सकेगा। इस मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट, 2020-21 में एक अध्ययन को उद्धृत किया गया था कि 24 क्षेत्रों में 2017 में 51.08 करोड़ मानव संसाधन की जरूरत थी, जो 2022 में बढ़कर 61.42 करोड़ हो जाएगी। इस हिसाब से हर साल दो करोड़ नये रोजगार पैदा करने की जरूरत है। समुचित कौशलयुक्त श्रमबल से अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और युवाओं की ऊर्जा का भी सही उपयोग हो सकेगा। इसी आधार पर सरकार ने हर साल दो करोड़ रोजगार देने का वादा किया था, पर इस संदर्भ में प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है. भारत में श्रमबल भागीदारी की दर (15 से 59 साल की आयु के वे लोग, जो काम में लगे हैं या काम खोज रहे हैं) कुछ सालों से 40 प्रतिशत से कम रही है, जो चीन के 76 प्रतिशत, इंडोनेशिया के 69 प्रतिशत या वैश्विक दर लगभग 60 प्रतिशत से बहुत कम है। सीएमआईई के अनुसार देश में मौजूदा बेरोजगारी दर (श्रमबल में ऐसे लोग, जो रोजगार चाहते हैं, पर रोजगार नहीं मिल पाता) 7.6 प्रतिशत है। सबसे अधिक उच्च शिक्षित, युवाओं और महिलाओं में हैं। इन वर्गों में यह दर 20 प्रतिशत से अधिक है।

साल 2021 में केंद्र सरकार में आठ लाख से अधिक रिक्तियां थीं, जिनमें से एक लाख से भी कम पर भर्ती हुई है। इससे सरकार के अगंभीर रवैये का पता चलता है। बजट में पांच सालों में 60

लाख रोजगार देने का वादा है. अगर यह पूरा भी होता है, तब भी कामकाजी आयु वर्ग में हर साल शामिल होनेवाली संख्या के एक-चौथाई हिस्से को ही काम मिल सकेगा। बीते कुछ सालों में विकास रणनीति विनिवेश या मौद्रीकरण के रूप में सार्वजनिक परिसंपत्तियों को निजी क्षेत्र को देने की रही है। हालिया बजट में इस उम्मीद में इंफ्रास्ट्रक्चर और कंस्ट्रक्शन पर सरकार द्वारा पूंजी खर्च बढ़ाने की ओर झुकाव है कि विकास तेज करने के लिए निजी निवेश को आकर्षित किया जा सके। मानव संसाधन की आवश्यकता व्यापक स्तर पर है, जिसे प्रस्तावित पूंजी व्यय और अपेक्षित निजी निवेश कुछ हद तक ही पूरा कर सकेंगे। बहुत से अन्य देशों की तरह भारत की भी कुछ ताकतें और कुछ कमजोरियां हैं। यहां जनसंख्या घनत्व बहुत अधिक है। अमेरिका इससे तीन गुना बड़ा है, पर आबादी एक-चौथाई है। चीन लगभग समान आबादी के साथ तीन गुना बड़ा है। इस प्रकार यह उत्पादक उपयोग पर निर्भर करता है कि हमारी आबादी हमारी ताकत है या हमारे लिए बोझ है। यदि रोजगार मिले, तो हमारी युवा आबादी जनसांख्यिक लाभांश के रूप में अर्थव्यवस्था में अपना योगदान कर सकती है. आय और संपत्ति के वितरण की विषमता बढ़ रही है। शीर्षस्थ एक प्रतिशत धनी आबादी के पास देश की 53 प्रतिशत संपत्ति है, जबकि सबसे गरीब आधी आबादी के पास मात्र 4.1 प्रतिशत क्षेत्रीय असमानता भी स्पष्ट है। सबसे गरीब राज्य बिहार की प्रति व्यक्ति आय, राष्ट्रीय आय की एक तिहाई है, जबकि आबादी का 10 प्रतिशत हिस्सा यहां रहता है।

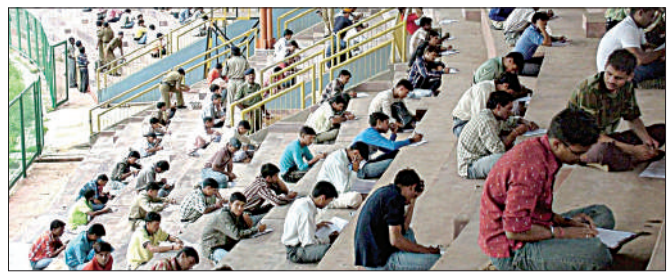

यहां जनसंख्या घनत्व भी सबसे अधिक है. देश की आधी आबादी खेती पर निर्भर है और 70 प्रतिशत किसानों के पास एक हेक्टेयर से भी कम जमीन है। शिक्षा व कौशल के मामले में राज्यों के बीच और उनके भीतर विषमताएं हैं. संविधान में नीति निर्देशक तत्वों में कार्य एवं रोजगार का उल्लेख है। अनुच्छेद 39 के अनुसार, राज्य को नागरिकों की जीविका के लिए समुचित साधन उपलब्ध कराने चाहिए। कुछ अन्य अनुच्छेदों में भी इस संबंध में निर्देश हैं। सर्वोच्च न्यायालय एक निर्णय में रेखांकित कर चुका है कि भले ही नीति निर्देशक तत्व बाध्यकारी नहीं हैं, पर शासन के लिए बुनियादी हैं। विश्व आर्थिक मंच की एक हालिया रिपोर्ट में 'व्यापक युवा असंतोष' को भारत के लिए मुख्य जोखिमों में गिना गया है। इस असंतोष का एक कारण रोजगार संकट है। इसलिए भारत की विकास रणनीति रोजगार केंद्रित होनी चाहिए।

प्रतिरोध की मुखर आवाज बने जेलेंस्की

अरुण नैथानी

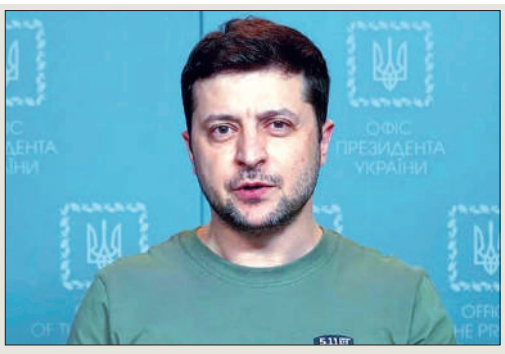

रूस के आक्रमण से पूर्व अपार जनसमर्थन से राष्ट्रपति बने वोलोदिमीर जेलेंस्की को एक अनुभवहीन राजनेता के रूप में देखा जाता रहा है। कहा जाता रहा कि कॉमेडियन से राष्ट्रपति बने जेलेंस्की इस टकराव को टालने के लिये कूटनीतिक लड़ाई नहीं लड़ पाये। लेकिन एक छोटा देश होने के बावजूद वे रूस की विशाल सैन्य शक्ति का जिस तरह अकेले मुकाबला करते नजर आये, उसने यूक्रेन के राजनेता को वैश्विक स्तर पर दमदार नेता के रूप में प्रतिष्ठित कर दिया। दरअसल, जब जेलेंस्की पहली बार यूक्रेन के राष्ट्रपति के रूप में टीवी स्क्रीन पर दिखे तो वे एक प्रसिद्ध कॉमेडी सीरीज में एक किरदार निभा रहे थे। सर्वेंट ऑफ पीपुल सीरीज में उन्होंने एक शिक्षक की भूमिका निभाई जो भाग्य से देश का राष्ट्रपति बन जाता है।

उस उदार शिक्षक का भ्रष्टाचार के खिलाफ दिया गया बयान सुर्खियों में छा गया। दरअसल, इस पात्र ने राजनीतिक नेतृत्व की काहिली के बीच निराश लोगों के जीवन में नई संभावना जगाई। कालांतर में यह कहानी तब हकीकत बन गई जब अभिनय की दुनिया से निकलकर जेलेंस्की वर्ष 2019 में वास्तव में यूक्रेन के राष्ट्रपति बन गये। इस साढ़े चार करोड़ जनसंख्या वाले देश में वे सर्वमान्य नेता के रूप में उभरे। उन्होंने अपने राजनीतिक दल को 'सर्वेंट ऑफ द पीपुल' नाम दिया। उन्होंने देश की जनता से वादा किया कि वे पूर्वी यूक्रेन में शांति स्थापित करेंगे। साथ ही भरोसा दिलाया कि वे साफ-सुथरी राजनीति में विश्वास रखते हैं। बहरहाल, आज रूसी आक्रमण का वे जिस तरह डटकर मुकाबला कर रहे हैं, उसने यूक्रेन ही नहीं, उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर का नेता बना दिया है। वे आज प्राणपन से अपने देश को रूसी हमले से सुरक्षित करने तथा वैश्विक समर्थन हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। जेलेंस्की, यूक्रेन के किरीवयी रीह में बसे एक यहूदी परिवार में जन्मे। उन्होंने प्रारंभिक पढ़ाई के बाद कीव नेशनल इकोनॉमिक यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री हासिल की थी। लेकिन उनका मन सदैव अभिनय व कॉमेडी में लगा रहा। कॉमेडी के कई टीवी शो के जरिये उन्होंने अपार लोकप्रियता हासिल की।

वे यूक्रेन व रूस के टीवी चैनलों पर कॉमेडी कार्यक्रम में वर्षों से भाग लेते रहे। साल 2003 में उन्होंने अपनी एक टीवी प्रोडक्शन कंपनी भी बनायी, जिसका नाम केवार्ताल-95 था। इसी दौरान वे यूक्रेन के चर्चित 1+1 नेटवर्क के लिये कार्यक्रम बनाते रहे। विवादों में घिरी इस कंपनी के मालिक यूक्रेन के अरबपति इहोर कोलोमोइस्की की वजह से सवाल जेलेंस्की पर भी उठे। बताया जाता है कि इस अरबपति ने राष्ट्रपति चुनाव में जेलेंस्की की मदद की। इस सदी के पहले दशक में वे टेलीविजन व फिल्मों के क्षेत्र में खूब नाम कमा रहे थे। उन्होंने कुछ फिल्में भी बनायीं।

कालांतर यूक्रेन में राजनीतिक अस्थिरता का दौर भी आया। देश में रूस समर्थक राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच को सत्ता से हटाने के लिये देशव्यापी मुहिम चली। कई महीनों के टकराव के उपरांत विक्टर यानुकोविच को सत्ता से बेदखल कर दिया गया। यूक्रेन के पश्चिमी देशों की तरफ झुकाव के चलते क्षुब्ध रूसी राष्ट्रपति पुतिन के इशारे पर क्राइमिया पर कब्जा कर लिया। वहीं इस दौरान पूर्वी यूक्रेन में सक्रिय पृथकतावादियों को रूस ने खुला समर्थन दिया। वे यूक्रेन सेना के खिलाफ लगातार मोर्चा खोले हुए हैं। वर्ष 2019 में जेलेंस्की ने अपने प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रपति पेत्रो पोरोशेंको को चुनाव में परास्त कर दिया। पोरोशेंको को विश्वास था कि राजनीति का ककहरा सीख रहा एक कॉमेडियन उनका क्या मुकाबला करेगा। लेकिन पेत्रो को उन्होंने भारी वोट लेकर हराया। साथ ही यूक्रेन के लोगों से वादा किया कि वे वर्ष 2014 से देश के पूर्वी इलाके में जारी गृहयुद्ध को समाप्त करवायेंगे। इस युद्ध में चौदह हजार से अधिक लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। इस दिशा में जेलेंस्की आगे बढ़े। बहुचर्चित मिंस्क समझौता हुआ। रूस से बातचीत के बाद कैदियों को एक-दूसरे देशों को सौंपा गया। हालांकि इस समझौते की अपनी सीमाएं भी थीं और उसका अतिक्रमण भी हुआ। हालांकि, रूस समर्थक अलगाववादियों को समर्थन मिलने से जेलेंस्की खिन्न भी थे। लेकिन पश्चिमी देशों के प्रति जेलेंस्की का झुकाव पुतिन को नागवार गुजरा। दरअसल, यूरोपीय यूनियन तथा नाटो में शामिल होने की यूक्रेन की कोशिश को पुतिन ने रूस की सुरक्षा के लिये बड़ी चुनौती माना।

वास्तव में जेलेंस्की रूसी हमले के बाद एक नायक के रूप में उभरे। जो लोग जेलेंस्की को कमजोर बता रहे थे, उनका अनुमान गलत साबित हुआ। वे यूक्रेन के लोगों को एकजुट करने में सफल हुए। वे सीमा पर लड़ रहे सैनिकों का उत्साह बढ़ाने लगातार पहुंचते रहे। यही वजह है कि आज वे एक विश्व नेता के रूप में उभरे हैं। यूक्रेन को पहली बार एक बुलंद आवाज मिली है। दुनिया में उनको सुना जा रहा है। सारा देश उनके साथ है और सही मायनों में वे रूसी आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन के प्रतिरोध का प्रतिनिधि चेहरा बन गये हैं। वे सम्मानजक ढंग से दुनिया के सामने यूक्रेन की बात कर रहे हैं। उन्होंने दुनिया को बताया कि एक छोटा देश भी कैसे बड़ी महाशक्ति का मुकाबला कर सकता है। उन्होंने यूरोपीय देशों को चेताया है कि यदि वे यूक्रेन के संघर्ष में साथ न आए, तो युद्ध उनके दरवाजे तक भी पहुंच जायेगा।

रात में सोते समय भूलकर भी ना करें ये गलतियां

अगर आप भी सोशल मीडिया पर मॉडल्स की फ्लॉलेस स्किन को देखकर सोने से पहले अपनी त्वचा पर कई तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं तो आपको एक बार जरूर सोचने की जरूरत है। अगर आप चाहती है कि जब आप सुबह सोकर उठें तो आपकी स्किन हेल्दी और ग्लोइंग नजर आए तो आपको कुछ टिप्स को फॉलो करना चाहिए।

हर महिला चाहती है कि उसकी स्किन ग्लोइंग और हेल्दी नजर आए। इसके लिए महिलाएं कई उपाय भी आजमाती हैं। कई महिलाएं इसके लिए घरेलू उपाय अपनाती हैं जबकि बहुत सी महिलाएं पार्लर में जाकर ब्यूटी ट्रीटमेंट करवाती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं रात में सोने से पहले अगर आप कुछ टिप्स फॉलो करती हैं तो ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं। इससे आपको पार्लर में हजारों रुपए खर्च करने की जरूरत नहीं होगी। ग्लोइंग स्किन के लिए क्लींजिंग और टोनिंग के अलावा नाइट केयर रूटीन को फॉलो करना भी काफी जरूरी होता है। ऐसे में बहुत सी महिलाएं रात में सोने से पहले कई ऐसी चीजें करती हैं जो उनकी स्किन पर बुरा असर डाल सकती हैं। आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो हर महिला सोने से पहले करती है। ये गलतियां न सिर्फ आपकी त्वचा को बेजान बनाती हैं बल्कि असल में ये आपकी त्वचा को धीरे-धीरे खराब करना शुरू कर देती हैं।

फेस धोकर सोएं

अगर आप भी बिना चेहरा धोए सीधे सो जाती हैं तो आपको अपनी ये आदत बदलनी होगी। चाहे आपने चेहरे पर कोई मेकअप लगाया हो या नहीं रात को सोने से पहले चेहरे को जरूर धोएं। पॉल्यूशन और गंदगी हमारे चेहरे पर काफी ज्यादा मात्रा में जमा होती है। जब आप सो रहे होते हैं तो हमारी त्वचा नई कोशिकाओं का निर्माण करती है। रात में चेहरा ना धोने से धूल-मिट्टी के कण रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं जिससे मुंहासे हो सकते हैं।

फेस वॉश करना

बहुत सी महिलाएं काम से आने के बाद कुछ करने से पहले थोड़ा आराम करना पसंद करती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप बिना देर किए सबसे पहले अपने चेहरे को धोएं। आपको अपना चेहरा धोने के लिए सोने से पहले का इंतजार नहीं करना चाहिए। काफी देर बाद चेहरा धोने पर मेकअप प्रोडक्ट्स रोछिद्रों को बंद कर देते हैं।

मॉइश्चराइज करना ना भूलें

हेल्दी स्किन के लिए चेहरे को साफ करना काफी जरूरी है लेकिन इसके अलावा और भी चीजें हैं जिन्हें आपको करना जरूरी होता है। अपनी त्वचा को कोमल और चमकदार बनाए रखने के लिए चेहरा धोने के बाद मॉइश्चराइजर लगाना न भूलें। इससे आपकी त्वचा चमकदार बनी रहेगी।

फोन के इस्तेमाल से बचें

हममें से बहुत से लोग ऐसे हैं जो जल्दी सोने के बहाने से बिस्तर में चले तो जाते हैं लेकिन घंटों लेटे-लेटे फोन में कुछ ना कुछ देखते रहते हैं। इससे ना सिर्फ आपकी स्किन पर बुरा असर पड़ता है बल्कि आपकी आंखों के आसपास डार्क सर्कल्स भी होते हैं।

गर्म और ठंडे पानी का इस्तेमाल

अगर आप चेहरे को धोते समय ठंडे या गर्म पानी का इस्तेमाल करती हैं तो यह आपकी स्किन के लिए काफी खराब साबित हो सकता है। चेहरा धोने के लिए हल्का गुनगुना पानी आपकी स्किन के लिए काफी अच्छा होता है। अगर आप बहुत ज्यादा ठंडे या गर्म पानी का इस्तेमाल करती हैं तो इससे आपकी स्किन पर जलन हो सकती है।

प्रोड्क्टस का ना करें ओवर यूज

चेहरे के लिए कुछ उत्पादों का इस्तेमाल करना फायदेमंद माना जाता है लेकिन ध्यान रखें कि किसी भी प्रोडक्ट का ओवरयूज ना करें। यह आपकी स्किन के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। बहुत अधिक प्रोडक्ट्स का उपयोग करने से आपकी त्वचा रूखी हो जाएगी और उसमें जलन हो सकती है।

हंसना मना है

चिंटू: अगर मुझे दूसरा दिमाग लगवाने की जरूरत पड़ी तो मैं तुम्हारा दिमाग लगवाना चाहूंगा। मिंटू: मतलब तुम मानते हो कि मेरे पास जीनियस का दिमाग है? चिंटू: नहीं, मुझे ऐसा दिमाग चाहिए जो पहले कभी यूज न हुआ हो।

एक बार एक बादशाह ने खुशी में कैदियों को रिहा कर दिया उन कैदियों में बादशाह ने एक कैदी को देखा जो बहुत ही बुजुर्ग था। बादशाह: तुम कब से कैद में हो? बुजुर्ग: आपके अब्बा के दौर से। यह सुनकर बादशाह की आंखों में आंसू आ गए और बोला.. इसको दोबारा कैद करो ये अब्बा की निशानी है।

सोनू अपने दोस्त मिंटू को ज्ञान बांट रहा था अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो आंखें बंद करो, गहरी सांस लो और जोर से कहो ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे।

राम: भाई ये बता I am going का मतलब क्या होता है? श्याम: मैं जा रहा हूं। चिंटू: अरे! मैं 20 लोगों से पूछ चूका हूं, सब चले जाने की बात करते हैं लेकिन जवाब नहीं बताते।

सचिन: भाई, बीवी के मेकअप का खर्चा बर्दाश्त नहीं होता। रवि: हां, तो बंद कर दे। सचिन: लेकिन फिर मेकअप के बिना बीवी बर्दाश्त नहीं होती।

कहानी — रंग-बिरंगी मिठाइयां

बसंत ऋतु छाई हुई थी। राजा कृष्णदेव राय बहुत ही खुश थे। वह तेनालीराम के साथ बाग में टहल रहे थे। वह चाह रहे थे कि एक ऐसा उत्सव मनाया जाए, जिसमें उनके राज्य के सारे लोग शामिल हों। पूरा राज्य उत्सव के आनंद में डूब जाए। इस विषय में वह तेनालीराम से भी राय लेना चाहते थे। तेनालीराम ने राजा की इस सोच की प्रशंसा की और इसके बाद राजा ने विजयनगर में राष्ट्रीय उत्सव मनाने का आदेश दे दिया। शीघ्र ही नगर को स्वच्छ करवा दिया गया, सड़कों व इमारतों में रोशनी की व्यवस्था कराई गई। पूरे नगर को फूलों से सजाया गया। सारे नगर में उत्सव का वातावरण था। इसके बाद राजा ने घोषणा की कि राष्ट्रीय उत्सव मनाने के लिए हलवाई की दुकानों पर रंग-बिरंगी मिठाइयां बेची जाएं। घोषणा के बाद नगर के सारे हलवाई रंगीन मिठाइयां बनाने में व्यस्त हो गए। इस घोषणा के बाद कई दिनों तक तेनालीराम दरबार में नजर नहीं आए। किसी को भी उनके बारे में कुछ नहीं पता था। राजा कृष्णदेवराय ने तेनालीराम को ढूंढने के लिए सिपाहियों को भेजा, लेकिन वे भी तेनालीराम को नहीं ढूंढ पाए। उन्होंने राजा को इस बारे में बताया। यह सुनकर राजा और भी अधिक चिंतित हो गए। उन्होंने दोबारा सिपाहियों को तेनालीराम की खोज में जुट जाने का आदेश दिया। कुछ दिनों बाद सैनिकों ने तेनालीराम को ढूंढ निकाला। वापस आकर उन्होंने राजा को बताया, 'महाराज, तेनालीराम ने तो कपड़ों की रंगाई की दुकान खोल ली है। वह सारा दिन अपने इसी काम में व्यस्त रहते हैं। जब हमने उन्हें अपने साथ आने को कहा तो उन्होंने आने से मना कर दिया।' यह सुनकर राजा को गुस्सा आ गया। वह सैनिकों से बोले,'मैं तुम्हें आदेश देता हूं कि तेनालीराम को जल्दी से जल्दी पक?कर यहां ले आओ। अगर वह तुम्हारे साथ अपनी मर्जी से न आए तो उसे बलपूर्वक लेकर आओ।' राजा के आदेश का पालन करते हुए सैनिक तेनालीराम को बलपूर्वक पकड़कर दरबार में ले आए। राजा ने पूछा, 'तेनाली, तुम्हें लाने के लिए जब मैंने सैनिकों को भेजा तो तुमने शाही आदेश का पालन क्यों नहीं किया? और एक बात और बताओ। हमारे दरबार में तुम्हारा अच्छा स्थान है, जिससे तुम अपनी सभी आवश्यकताएं पूरी कर सकते हो। फिर भला तुमने यह रंगरेज की दुकान क्यों खोली?' तेनालीराम बोले,'महाराज, दरअसल मैं राष्ट्रीय उत्सव के लिए अपने कपड़ों को रंगना चाहता था। नगर में बहुत सारे लोग उत्सव में पहनने के लिए अपने कपड़े रंगवाना चाहते हैं। इस काम में अच्छी कमाई है। इससे पहले कि सारे रंगों का इस्तेमाल दूसरे लोग कर लें, मैं रंगाई का काम पूरा कर लेना चाहता था। सभी रंगों के इस्तेमाल से तुम्हारा क्या मतलब है? क्या नगर के सारे लोग अपने कपड़ों को रंग रहे हैं?' राजा ने पूछा। 'नहीं महाराज, वास्तव में रंगीन मिठाइयां बनाने के आपके आदेश के बाद से नगर के ज्यादातर हलवाई मिठाइयों को रंगने के लिए रंग खरीदने में व्यस्त हो गए हैं। अगर वे सारे रंगों को मिठाइयां रंगने के लिए खरीद लेंगे तो मेरे कपड़े कैसे रंगे जाएंगे?' इतना सुनते ही राजा को अपनी भूल का अहसास हो गया। वह बोले,'तो तुम यह कहना चाहते हो कि मेरा आदेश अनुचित है। मेरे आदेश का फायदा उठाकर मिठाइयां बनाने वाले मिठाइयों को रंगने के लिए घटिया व हानिकारक रंगों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि उन्हें केवल खाने योग्य रंगों का ही इस्तेमाल करना चाहिए', इतना कहकर महाराज ने तेनालीराम की तरफ देखा। तेनालीराम के चेहरे पर वही चिर-परिचित मुस्कराहट थी। राजा कृष्णदेव राय ने गंभीर होते हुए आदेश दिया कि जो मिठाई बनाने वाले हानिकारक रासायनिक रंगों का प्रयोग कर रहे हैं, उन्हें कठोर दंड दिया जाएगा। इस तरह तेनालीराम ने अपनी बुद्धि के इस्तेमाल से विजयनगर के लोगों को बीमार होने से बचा लिया।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज का दिन आपके लिए गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि के लिए रहेगा, जिससे परिवार के सदस्य भी प्रसन्न होंगे। किसी व्यक्ति से धन का लेनदेन करने की सोच रहे हैं, तो उसमें सावधानी बरतें।

वृषभ आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। यदि आज आप कोई निवेश करने की सोच रहे हैं, तो उसे कुछ समय के लिए रुक जाएं, नहीं तो उसमें आपको जोखिम उठाना पड़ सकता है।

मिथुन आज का दिन आपके मन को संतोष देने वाला रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को आज अपने साथी से कोई उपहार व सम्मान प्राप्त हो सकता है, जिससे उनके मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी।

कर्क आज का दिन नौकरीपेशा जातकों की पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि का दिन रहेगा। आज आपको अपने अधिकारियों द्वारा कोई अच्छी खबर सुनने को मिलेगी, जिससे उनका मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह आज का दिन आप सुबह से ही अपने आपको ऊर्जावान महसूस करेंगे, जिसके कारण आप अपने सभी कार्यों को करने के लिए तत्पर रहेंगे और उन्हें काफी हद तक पूरा करने में सफल रहेंगे।

कन्या आज आपके परिवार में किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम पर चर्चा हो सकती है। आज आपको कुछ अनावश्यक व्यय का भी सामना करना पड़ सकता है।

तुला आज का दिन आपके लिए मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। राजनीति की दिशा में जो लोग प्रयासरत हैं, उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना होगी व उनके जन समर्थन में भी इजाफा होगा।

वृश्चिक रोजगार के क्षेत्र में आपको अपनी योग्यता बढ़ाने से सफलता अवश्य मिलेगी। सरकारी नौकरी से जुड़े जातकों को आज अपने किसी अधिकारी से डांट खानी पड़ सकती है,

धनु आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपको अपने परिवार के सदस्यों के लिए कोई निर्णय लेने से पहले अपने परिवार के वरिष्ठ सदस्यों से सलाह मशवरा अवश्य करना होगा।

मकर आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। विद्यार्थी आज कुछ भविष्य की रणनीति बनाएंगे, जिससे वह अपनी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

कुम्भ आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से उत्तम रहने वाला है। यदि आपकी बहन के विवाह में कुछ बाधाएं आ रही थी, तो आज वह किसी परिजन की मदद से समाप्त होती दिख रही हैं, दिन प्रतिकूल रह सकता है।

मीन आज का दिन रोजगार की दिशा में प्रयास कर रहे लोगों के लिए खुशखबरी लेकर आएगा। आज उनको मन मुताबिक परिणाम सुनने को मिल सकता है, जिसके कारण वह प्रसन्न रहेंगे।

टीजर में दिखी टाइगर-3 की खतरनाक झलक

ईद पर कटरीना संग भाईजान करेंगे धमाका

बॉलीवुड | मसाला

यशराज फिल्म्स ने सलमान खान की बड़ी फिल्म टाइगर 3 की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। टाइगर 3 के टीजर वीडियो के साथ मेकर्स ने रिलीज डेट की घोषणा की है। एक बार फिर सलमान खान ईद के मौके पर दस्तक देंगे। सलमान खान कटरीना कैफ की फिल्म टाइगर थ्री 21 अप्रैल 2023 को रिलीज होगी। इस टीजर वीडियो में टाइगर 3 से सलमान-कटरीना कैफ का फर्स्ट लुक भी देखने को मिला है। बता दें यशराज फिल्म्स ने हाल में ही शाहरुख खान की पठान की रिलीज डेट का ऐलान किया था और तभी से फैंस बेसब्री के साथ टाइगर 3 की रिलीज डेट जारी करने की मांग कर रहे थे। सलमान खान ने खतरनाक टाइगर 3 के टीजर वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, हम सब अपना अपना ख्याल रखें, टाइगर 3 ईद 2023 पर आ रही है। टाइगर 3 हिंदी के साथ तमिल और तेलुगू में भी रिलीज होगी। यशराज फिल्म्स की टाइगर 3 अपने आसपास के सिनेमाघरों में 21 अप्रैल 2023 को जाकर जरूर देखें। टीजर वीडियो की बात करें तो इसकी शुरूआत कटरीना कैफ के खतरनाक ऐक्शन के साथ होती है। कटरीना के फाइट सीन बयां करते हैं कि टाइगर 3 इस बार ज्यादा खतरनाक होने वाली है। इसके बाद वीडियो में एंट्री होती है असली टाइगर यानी सलमान खान की। जिन्हें इस टीजर में देख फैंस एक्साइटेड हो गए हैं। पहला मौका है जब टाइगर 3 से सलमान खान और कटरीना कैफ का लुक भी देखने को मिला है। बता दें यशराज बैनर तले बन रही शाहरुख खान की फिल्म पठान को रिपब्लिक डे के मौके पर शेड्यूल किया गया है। पठान की रिलीज डेट सामने आने के बाद लगातार फैंस टाइगर 3 की रिलीज डेट के ऐलान का जिक्र सोशल मीडिया पर कर रहे थे। सलमान ने एक बार फिर ईद को बुक कर दी है।

बालिका वधू की आनंदी ने शर्ट में करवाया फोटोशूट

टीवी सीरियल बालिका वधू से घर-घर में मशहूर हुई अभिनेत्री अविका गौर एक्टिंग के अलावा अपनी बोल्डनेस की वजह से भी चर्चा में रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी अक्सर हॉट और बोल्ड तस्वीरें तेजी से वायरल होती रहती हैं। अब एक बार फिर से अविका गौर ने अपना बोल्ड अंदाज दिखाया जिसे उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। अविका गौर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह ब्लैक कलर की लॉन्ग शर्ट पहने दिखाई दे रही हैं। साथी ही खुद को खूबसूरत दिखाने के लिए रेड कलर की लिपिस्टिक लगाई है और बालों को खोला हुआ है। फोटोशूट में वह अलग-अलग पोज में तस्वीरें क्लिप करवाती दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में अविका गौर का बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज देखते ही बन रहा है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने खास कैप्शन भी लिखा है।

मुझे अच्छा लगता है जब मैं तुम्हें अपनी ओर देखते हुए पकड़ता हूं। सोशल मीडिया बालिका वधु की यह सभी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। अभिनेत्री के फैंस उनकी तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर रहे हैं। आपको बता दें कि अविका गौर बालिका वधु के अलावा ससुराल सिमर का, लाडो और नागिन 3 में नजर आ चुकी हैं।

सीरियल्स में अविका गौर की एक्टिंग को फैंस हमेशा से पसंद करते रहे हैं। बात करें अविका गौर की निजी जिंदगी की तो वह लंबे समय से मिलिंद चंदवानी को डेट करने की वजह से चर्चा में हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

नेटवर्किंग करने में असफल रहने के कारण मिला कम काम : सुष्मिता

सुष्मिता सेन ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि वह 10 वर्षों तक फिल्म इंडस्ट्री से दूर क्यों रही। उन्होंने बताया कि दुबारा काम करने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी। सुष्मिता सेन ने मिस यूनिवर्स का पुरस्कार जीतने से लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री बनने तक एक लंबा सफर तय किया है। उनका न सिर्फ फिल्मों में बल्कि वह मॉडलिंग जगत में भी काफी सफल रही है, उन्हें दर्शकों का काफी प्यार मिला है। हालांकि वह करीब एक दशक तक फिल्मों से दूर रही थी। अब सुष्मिता सेन ने एक बार फिर वेब सीरीज के माध्यम से कमबैक किया है। वह फिर अभिनय करने लगी है। सुष्मिता सेन ने कहा है कि उन्हें बॉलीवुड से इस प्रकार की भूमिकाएं नहीं मिल रही थी, जिन्हें वह करना चाहती थी। इसलिए उन्होंने वेब सीरीज में काम करना स्वीकार किया। सुष्मिता सेन की पिछली फिल्म 2010 में आई थी। यह एक कॉमेडी फिल्म थी। फिल्म का नाम दूल्हा मिल गया था। इसमें फरदीन खान और शाहरुख खान की अहम भूमिका थी। अब उन्होंने वेब सीरीज आर्या से 2020 में वेब सीरीज करना शुरू की है। इसके पहले वह अपनी दो बेटियों को संभाल रही थी, एक फेसबुक पेज पर दिए इंटरव्यू में सुष्मिता सेन ने कहा कि 10 वर्ष मैं अपनी चीजों को संभाल रही थी। मुझे बताया जा रहा था, क्या करना है क्या नहीं। जो सिनेमा मैं करना चाहती थी, उस प्रकार की फिल्में मुझे नहीं मिल रही थी। एक ही प्रकार की भूमिकाएं दे रहे थे। इसलिए मैं 10 वर्ष काम नहीं कर पाई, सुष्मिता सेन ने यह भी बताया कि वह नेटवर्क करने में असफल रही। इसकी वजह से भी उन्हें कम काम मिला। वह कहती है, मैं नेटवर्क करने में अच्छी नहीं हूं। यह मेरे लिए काम नहीं करता।

दुनिया के सबसे रहस्यमयी खजाने जो खोजने गया नहीं लौटा जिंदा

दुनिया में हर व्यक्ति की इच्छा होती है कि उसके पास धन-दौलत, हीरे-जवाहरात और सोना-चांदी हो। इतिहास में कई ऐसे लोग थे जिन्होंने बड़ी मात्रा में इन चीजों से अपना खजाना भर कर रखा। लेकिन उनकी मौत होने के बाद यही नहीं पता चला कि उनका खजना कहां पर है। कई लोग इन खजानों की खोज में आज भी लगे रहते हैं। दुनिया के ऐसे ही रहस्यमयी खजाने के बारे में बताते हैं जिनकी तलाश में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है... मंगोल साम्राज्य की नींव रखने वाला चंगेज खान अपने समय में दुनिया का सबसे प्रसिद्ध और महान योद्धा था। उस समय चंगेज खान ने करीब पूरी दुनिया पर जीत हासिल कर ली थी और खूब धन-दौलत जमा कर लिया था। सन 1227 में चंगेज खान की मौत हो गई। बताया जाता है कि एक अज्ञात जगह पर उसके शव और खजाने को दफनाया गया। कहा जाता है कि इस खजाने की खोज में जो भी गया, वह लौटकर नहीं आया। रूस में द अंबर रूम एक प्रसिद्ध महल था। यह सेंट पीटर्सबर्ग शहर के करीब स्थित था। द अंबर रूम कमरे की तरह एक चैंबर था। इसका निर्माण साल 1707 में पर्शिया में किया गया था। यह पीटर द ग्रेट को रूस और पर्शिया के बीच शांति के तोहफे में मिला था। साल 1941 में द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान नाजियों ने इस पर कब्जा जमा लिया और इसे सुरक्षित करने के लिए इसका अलग-अलग हिस्सों में बंटवारा कर दिया। इन सभी टुक?ों को 1943 में एक म्युजियम में प्रदर्शित किया गया। यहां से पूरा द अंबर रूम लापता हो गया। इसके बाद से इस खजाने का आज तक कोई पता नहीं चल पाया। संयुक्त राज्य अमेरिका की वायु सेना में फॉरेस्ट फेन काम करता था और वह एक पायलट था। फॉरेस्ट फेन कीमती कलाकृतियों का व्यापारी था जिनकी कीमत अरबों डॉलर थी। साल 1980 में वह घातक बीमारी कैंसर की चपेट में आ गया, तो उसने अपने अरबों डॉलर के खजाने को कहीं पर छिपा दिया। उसने अपने खजाने को खोजने के लिए लोगों को कुछ संकेत दिए थे, लेकिन अभी तक उसके खजाने की तलाश में कई लोगों की मौत हो चुकी है। इस खजाने की तलाश में कई लोगों की मौत हो गई है। बताया जाता है कि यह खजाना कोलंबिया की गुआटाविटा झील में दफन है। माना जाता है कि गुआटाविटा झील की तली में सोना फैला है। एक धार्मिक मान्यता है कि सैकड़ों साल पहले चिब्चा आदिवासी सूर्य की आराधना करते समय बहुत-सा सोना झील में फेंकते थे। सालों तक ऐसा करने की वजह से झील की तली में बड़ी मात्रा में सोना जमा हो गया था।

अजब-गजब | आज तक नहीं खुला जिसका राज

इस सुरंग में गायब हो गई थी बारात

दुनिया रहस्यों से भरी पड़ी है, जिन्हें आज भी वैज्ञानिक सुलझाने में लगे हुए हैं। वैज्ञानिकों ने कई रहस्यों से पर्दा उठा दिया है, तो वहीं अभी भी कई रहस्यों के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने इन रहस्यों को सुलझाने की कई कोशिश की, लेकिन उन्हें अभी कामयाबी नहीं मिली है। आईए हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताते हैं... यह रहस्य हरियाणा के रोहतक जिले के महम शहर में एक बावड़ी से जुड़ा हुआ है। महम की बावड़ी ज्ञानी चोर की गुफा के नाम से पूरी दुनिया में जानी जाती है। यहां पर बावड़ी के एक पत्थर पर फारसी भाषा में लिखा गया है स्वर्ग का झरना। बावड़ी में लगे फारसी भाषा के एक अभिलेख में बताया गया है कि मुगल बादशाह के सूबेदार सैद्यू कलाल ने 1658-59 ईसवीं में इस स्वर्ग के झरने का निर्माण कराया था। मुगलकाल में बनाई गई इस बावड़ी को रहस्यों और किस्से-कहानियों के लिए जाना जाता है। बताया जाता है कि इस रहस्यमयी बावड़ी में अरबों रुपयों का खजाना छिपा है। यह भी दावा किया जाता है कि यहां सुरंगों का जाल है जो दिल्ली, हांसी, हिसार और पाकिस्तान तक जाता है। इस बावड़ी में एक कुआं स्थित है। इस कुएं तक पहुंचने के लिए 101 सीढ़ियां थी, लेकिन इस कुएं में अब सिर्फ 32 ही बची हैं। 1995 में भयानक बाढ़ आई थी जिसने बावड़ी के एक बड़े हिस्से को तबाह कर दिया था। फिलहाल यह बावड़ी पर पुरातत्व विभाग का कब्जा है। अब बावड़ी के चारों तरफ रेलिंग लगा दी गई है और साफ सफाई भी की जाती है। कुछ दीवारों और सीढ़ियों को फिर से बनाया गया है।

सुरंग में समा गई थी पूरी बारात

ज्ञानी चोर की गुफा के नाम से प्रसिद्ध यह बावड़ी जमीन में कई फीट नीचे तक बनी है। लोग बताते हैं कि अंग्रेजों के शासन के समय एक बारात इस सुरंग के रास्ते दिल्ली जा रही थी, लेकिन बारात में शामिल सभी लोग गायब हो गए। बारात के कई दिन बीत जाने के बाद भी सुरंग में गए बाराती न तो दिल्ली पहुंचे और न ही वापस आए। तब से यह सुरंग चर्चा का विषय बन गई है। किसी अनहोनी होने की घटना की वजह से अंग्रेजों ने इस सुरंग को बंद कर दिया। यह सुरंग अभी भी बंद है। रोहतक जिले में स्थित महम और आसपास के लोग बताते हैं कि उस समय एक प्रसिद्ध चोर था जिसका नाम ज्ञानी था और वह चोरी करने के बाद इस गुफा में छिप जाता था ताकि पुलिस उसे न पकड़ पाए। वह एक शातिर चोर था, जो अमीरों को लूटता था और इस बावड़ी में छिप जाता था।

रोड शो में गूंजते रहे जय अखिलेश के नारे

वाराणसी में सपा ने दिखाई ताकत, अखिलेश ने हाथ में थामा डमरु-त्रिशूल, लगे हर हर महादेव के नारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिन में काशी में रोड शो कर जनता का अभिवादन किया। इसके जवाब में रात में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी समाजवादी विजय यात्रा में सड़क पर उतरकर अपनी ताकत दिखाई। रथयात्रा चौराहे पर जैसे ही रथ पर सवार होकर अखिलेश समर्थकों के बीच पहुंचे, जय अखिलेश के नारे गूंजने लगे। हाथ में समाजवादी झंडा लिए उमड़े जन सैलाब ने सपा मुखिया अखिलेश यादव का जोरदार स्वागत किया। मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप झेल रहे समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव का काशी की धरा पर अलग रूप देखने को मिला।

धर्मनगरी में रोड शो करने उतरे अखिलेश बाबा विश्वनाथ के प्रतीक चिन्ह त्रिशूल और डमरू के साथ लोगों से रूबरू हुए। माना यह जा रहा है कि सपा हर हाल में हिन्दू मतों में सेंधमारी के पूरे प्रयास में जुट गई है। यहीं कारण कि आम तौर पर कट्टर हिंदुत्व छवि से बचने वाले अखिलेश यादव समाजवादी विजय यात्रा के दौरान हाथ में त्रिशूल और डमरू लेकर मतदाताओं को अलग संदेश दिया। धर्म की नगरी काशी में राजनीतिक पारा सातवें चरण के चुनाव से पहले ही सातवें आसमान पर पहुंच गया है। 54 सीटों पर होने वाले इस चुनाव में जातीय समीकरण बहुत मायने रखने वाले हैं। यहीं कारण है कि जिस पार्टी को जहां मौका मिल रहा है, वह जातीय समीकरण को साधने में लगा हैं। कहा जा रहा है कि इस बार सपा यहां भाजपा का खेल बिगाड़ देगी।

बसपा भाजपा की बी टीम : राहुल गांधी

» मोदी के गढ़ में भाजपा पर जमकर बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का राजनीतिक अस्तित्व समाप्त हो गया है और वह भारतीय जनता पार्टी की बी टीम बन कर रह गई है। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर पुलिस थानों में दखलंदाजी करने और गुंडागर्दी का आरोप भी लगाया।

राहुल ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ कल पिंडरा विधानसभा क्षेत्र में एक चुनाव सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले एक पार्टी हुआ करती थी बसपा। अब खत्म हो गई है। बसपा अब भाजपा की बी टीम बन कर रह गई है। उन्होंने कहा समाजवादी पार्टी को आप बखूबी जानते है। पुलिस थानों में वे क्या करते है, कैसे गुंडागर्दी करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही प्रदेश में बेरोजगारी और मंहगाई जैसी समस्याओं का समाधान कर सकती है। कांग्रेस को काम करना आता है, काम करवाना भी आता है। कांग्रेस नेता ने पीएम डबल इंजन सरकार के कथन का उपहास करते कहा कि वास्तव में यह अम्बानी और अडानी का डबल इंजन है। उन्होंने कहा कि भाजपा का वास्तविक हिंदू धर्म से कोई लेना देना नहीं है। भाजपा धर्म बल्कि झूठ के आधार पर लोगों से वोट मांगती है।

वोटों की गिनती केंद्रीय बलों की मौजूदगी में हो : चौधरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सातवें चरण का मतदान सात मार्च को होगा और दस मार्च को मतगणना की जाएगी। इससे पहले सपा को मतगणना के दौरान गड़बड़ी की आशंका है। सपा ने निर्वाचन आयोग से वोटों की गिनती केंद्रीय बलों की मौजूदगी में कराने की अपील की है। समाजवादी पार्टी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला को निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से मतगणना कराने के लिए ज्ञापन सौंपा।

सपा के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, पूर्व मंत्री मनोज पाण्डेय व केके श्रीवास्तव ने ज्ञापन देकर कहा कि मतगणना स्थल पर अर्ध सैनिक बलों की तैनाती की जाए। राजेंद्र चौधरी ने कहा कि रायबरेली की ऊंचाहार विधान सभा सपा के प्रत्याशी मनोज पाण्डेय हैं, उनका मुकाबला भाजपा के अमर पाल मौर्य से है। वे सार्वजनिक रूप से भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच में कह रहे हैं कि मत भले ही किसी विरोधी को अधिक प्राप्त हो जाए परंतु विजयी होने का प्रमाण पत्र उन्हें ही मिलेगा। इसका एक आडियो भी वायरल हो रहा है, यह चिंताजनक व गंभीर मामला है। निष्पक्ष मतगणना सम्पन्न होने पर प्रश्नचिह्न लगाया जा रहा है। समाजवादी पार्टी ने मांग की है कि प्रदेश के समस्त विधानसभा में मतगणना स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी ढंग से कराई जाए। मतगणना हाल के अंदर पैरामिलिट्री फोर्स तैनात की जाए। भारत निर्वाचन आयोग के अनुमोदन के बाद 174-लखनऊ मध्य विधानसभा क्षेत्र का रिटर्निंग आफिसर (आरओ) अजय पांडेय को बनाया गया था। दो दिन पहले मतगणना स्थल पर प्रतिबंधित क्षेत्र में आरओ का वाहन जाने पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी रविदास मेहरोत्र ने आपत्ति जताई थी।

निर्वाचन आयोग से अपील, हाल के अंदर तैनात हो पैरामिलिट्री फोर्स

सपा प्रमुख ने भी जताई थी चिंता

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट के जरिए ईवीएम की सुरक्षा को लेकर समाजवादी कार्यकर्ताओं से अपली की थी। अखिलेश ने ताले, हथौड़ी और छेनी की एक फोटो ट्वीट करते हुए लिखा था कि लखनऊ में सभी के लिए प्रतिबंधित ईवीएम स्ट्रांग रूम में एक सरकारी अधिकारी के घुसने का प्रयास बेहद गंभीर मामला है। सपा-गठबंधन के सभी प्रत्याशियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अपील है कि वो सभी जगह ईवीएम स्ट्रांग रूम की निगरानी बढ़ा दें। जब तक गिनाई नहीं-तब तक ढिलाई नहीं।

यह चुनाव योगी के लिए बड़ी चुनौती

सातवें चरण में सपा गठबंधन को मिल सकती है सबसे ज्यादा सीटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव अब अपने अंतिम चरण में है। लिहाजा सभी सियासी पार्टियों ने फतेह हासिल करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। लेकिन अब देखना ये है कि सातवें चरण में कौन सी पार्टी अपना दमखम दिखा पाती है। इस विषय पर वरिष्ठ पत्रकार शीतल पी सिंह, उमाशंकर दुबे, श्वेता आर रश्मि, हरजिंदर, किसान नेता डॉ. सुनीलम और अभिषेक कुमार के साथ एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा में डॉ. सुनीलम ने कहा सारे चरणों के मुकाबले सबसे ज्यादा सीटे सपा गठबंधन को सातवें चरण में मिल सकती है। बनारस में बुलडोजर के ऊपर भाजपा के झंडे लगाकर प्रचार किया जा रहा है मतदाताओं को आतंकित करने का काम किया जा रहा है। उमाशंकर दुबे ने कहा इस बार योगी आदित्यनाथ के लिए बड़ी चुनौती है। फिलहाल वाराणसी को लेकर विकास की बात हुई है। अब देखना होगा कि विकास किस स्तर तक मतदाता के बीच जाता है और कितना वोट का प्रतिशत बढ़ाता है।

शीतल पी. सिंह ने कहा कि बसपा के प्रदर्शन को लेकर भ्रम था कि उसके मत भाजपा और सपा को जा रहा है लेकिन ऐसा नहीं है। उसका आधार वोट वैचारिक रुप से उसके साथ है। उन्होंने विचारधारा का काम कांशीराम के जमाने से बहुत ढंग से किया है।

श्वेता आर रश्मि ने कहा कि बनारस में लॉ एंड आर्डर की धज्जियां उड़ाई जा रही है। पुलिस कमिश्नर को लिखित शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होती है। पीएम मोदी को देखने के लिए उस तरह की भीड़ नहीं है। इस बार दो दलों में खाकसर कांटे की टक्कर है।

हरजिंदर ने कहा कि अब जिस फेज में चुनाव है, वहां पिछड़े बड़ी भूमिका निभाते रहे हैं। ये वो इलाका जहां सपा ने पिछड़ों को जोड़कर अपनी एक ताकत आर्जित की। समाजवादी बेल्ट भी एक दौर में कहा जाता था और भाजपा ने जो रेम्बो कोईलेशन बनाया था वो शायद टूट गया है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सातवें चरण में अनुप्रिया पटेल के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी

» सियासी संग्राम में कई केंद्रीय मंत्रियों की भी परीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनावी चक्रव्यूह के अंतिम द्वार पर सेनाएं आकर खड़ी हो गई हैं। जातीय समीकरणों में उलझे चुनाव में परिदृश्य पूरी तरह से साफ नहीं है। कुल मिलाकर परिस्थितियां ऐसी आन पड़ी हैं कि करो या मरो की स्थिति सातवें द्वार तक बनी हुई है। 2017 में भगवा बयार ऐसी चली कि इस किले का ज्यादातर हिस्सा बिखर गया।

कई जिलों में भाजपा आगे रही, तो कुछ में सपा का वर्चस्व कायम रहा। सातवें चरण की बिसात की बात करें तो भाजपा ने 54 में से 48 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि अपना दल (एस) और निषाद पार्टी के 3-3 उम्मीदवार मैदान में हैं। वहीं, सपा भी एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए है। सपा 45 सीटों पर अपना उम्मीदवार लड़ा रही है, तो सहयोगी के तौर पर सुभासपा 7 और अपना दल (कमेरावादी) दो सीटों पर चुनाव लड़ रही है। आखरी चरण में मोदी सरकार के 4 मंत्रियों और भाजपा के पदाधिकारियों के राजनीतिक प्रभाव की भी परीक्षा है। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल प्रदेश में भाजपा के सबसे बड़े सहयोगी अपना दल (एस) की अध्यक्ष भी हैं। 10 मार्च को आने वाले नतीजे बताएंगे कि मोदी सरकार के मंत्रियों और पार्टी के पदाधिकारियों का अपने समाज के साथ कितना प्रभाव है। उनका प्रभाव वोटों का समीकरण साधने में कितना काम आया।

प्रियंका गांधी ने कहा- जब तक मैं प्रभारी हूं तब तक पार्टी में कोई जगह नहीं

मुश्किल वक्त में कांग्रेस छोड़ने वालों की फिर से पार्टी में नहीं होगी वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की प्रभारी प्रियंका गांधी ने अंतिम चरण के चुनाव से पहले साफ-साफ कहा है कि कांग्रेस छोड़ने वालों की दोबारा पार्टी में वापसी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जब तक वो प्रभारी हैं तब तक ऐसे नेताओं के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है। बता दें कि उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले कई नेताओं कांग्रेस का हाथ छोड़ बीजेपी का दामन लिया था।

एक न्यूज चैनल से बातचीत करते हुए प्रियंका ने कहा मुश्किल वक्त में जो पार्टी छोड़कर चले गए उनके लिए हमारे दरवाजे कभी नहीं खुलेंगे। जब तक मैं प्रभारी हूं तब तक उनके लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है। जब लड़ना था, जब हिम्मत चाहिए थी, तब आप दुम दबाकर भाग गए। आज जो कार्यकर्ता लड़ रहे हैं, पार्टी के पदों पर उनका हक है। पंजाब से लेकर उत्तर प्रदेश और फिर उत्तर पूर्व, देश के हर कोने में कांग्रेस का यही हाल है। बता दें कि हाल के दिनों में कांग्रेस ने कई नेताओं ने पार्टी छोड़ दी। हाल ही में पूर्व कानून मंत्री अश्वनी कुमार ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि जो नई कांग्रेस बनाई गई है उसका भविष्य बहुत अंधकारमय है। अगर पार्टी का ढांचा ही ठीक नहीं होगा तो आपको दिक्कत होगी। इससे पहले कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद आरपीएन सिंह भाजपा में शामिल हो गए थे। हर राज्य में चुनाव से पहले या फिर बाद में कांग्रेसी नेताओं के बीच भगड़द मच जाती है। पार्टी में गुटबाजी और सम्मान न मिलने का आरोप लगा कर नेता लगातार पार्टी छोड़ रहे हैं।

जौनपुर में पहली बार प्रियंका गांधी

सातवें चरण में मतदान के लिए शनिवार को चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है। जौनपुर की 9 विधानसभा को साधने के लिए पार्टी के कद्दावर नेता जौनपुर में आएंगे। वहीं प्रियंका गांधी पहली बार जौनपुर आ रही हैं। जौनपुर सदर प्रत्याशी नदीम जावेद के लिए प्रियंका गांधी रोड शो करेंगी। जौनपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन से गांधी तिराहे तक 55 मिनट का रोड शो करेंगी। ये रोड शो लगभग छह किलोमीटर का होगा।

सारे मिथक तोड़ेगा यूपी चुनाव, 2017 जैसे होंगे नतीजे : राजनाथ सिंह

» सुभासपा के साथ नहीं होने से कोई नुकसान नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी। बोले कि मिथक भी टूटेगा कि लगातार यहां भाजपा की सरकार अब तक नहीं बनी। वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल को अपने मुख्यमंत्रित्व काल से अच्छा मानते हैं। यह स्वीकार करते हैं कि बेसहारा पशुओं जैसे मामलों पर और बेहतर कार्ययोजना बननी चाहिए थी।

उन्होंने कहा 2017 जैसा ही परिणाम भाजपा के पक्ष में आएगा। कोई मामूली अंतर हो सकता है लेकिन 300 सीट पार के लक्ष्य को हमारी पार्टी पूरा करेगी। पूर्वांचल में आखिरी चरण में बड़ी बढ़त मिलेगी। पांच साल तक मुख्यमंत्री के पद पर रहने का, नोएडा जाने-न जाने का और दोबारा सरकार लगातार नहीं बनने का मिथक टूटेगा। राजनाथ ने कहा योगी आदित्यनाथ के कड़े रुख के कारण गलत आचरण वाले लोग अब दहशत में जरूर हैं। किसी में अब यह हिम्मत नहीं है कि वे कानून को ठेंगा दिखाएं। यह अंत होने की शुरुआत है। ला एंड आर्डर को कंट्रोल करने के लिए उन्होंने जिस प्रकार की कार्रवाई की वह बहुत प्रभावी थी। योगी ने यह तय किया कि माफिया के घर गिराए जाएं? बुलडोजर का मतलब आम आदमी के पक्ष में माफिया तंत्र को ध्वस्त करना है। पिछली सरकारों में ला एंड आर्डर की जो स्थिति खराब थी, मगर अब जनता ने कानून-व्यवस्था की स्थिति में बदलाव को महसूस किया है। राज्य के लोग भय मुक्त रहें, यह विकास के लिए भी जरूरी है। सुभासपा के साथ नहीं होने से कोई नुकसान नहीं हुआ। चूंकि उनके कोर वोटर ने हमारी सरकार का कामकाज देखा है और उस कम्युनिटी के लोगों ने बीजेपी का साथ छोड़ पसंद नहीं किया।

भाजपा सरकार में योजनाओं का क्रियान्वयन

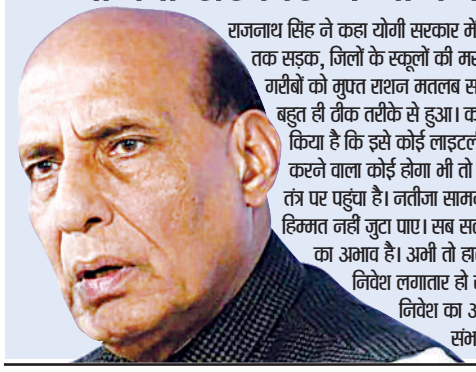

राजनाथ सिंह ने कहा योगी सरकार में पंचायत भवन, ब्लाक-तहसील के आफिस, गांव की गलियों तक सड़क, जिलों के स्कूलों की मरम्मत, रंग-रोगन, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान योजना, गरीबों को मुफ्त राशन मतलब समाज कल्याण की योजनाओं का उत्तर प्रदेश में क्रियान्वयन बहुत ही ठीक तरीके से हुआ। कानून और व्यवस्था को लेकर योगी सरकार ने इतना जरूर किया है कि इसे कोई लाइटली (हल्के में) नहीं ले सकता है। अब यह संभव नहीं है। गलत करने वाला कोई होगा भी तो अब दहशत में है। प्रशासनिक और बड़ी आर्थिक चोट माफिया तंत्र पर पहुंचा है। नतीजा सामने है। माफियावाद के प्रतीक रहे लोग चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। सब सलाखों के पीछे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव को जानकारी का अभाव है। अभी तो हाल में ही हमने ब्रह्मोस मिसाइल का शिलान्यास किया। निवेश लगातार हो रहा है। एमओयू तो कई हो चुके हैं। डेढ़ दो हजार करोड़ के निवेश का अनुबंध हो चुका है। रोजगार के नए अवसर के सृजन की संभावना के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है।

मणिपुर में अब तक 47 फीसदी मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर विधानसभा चुनाव के दूसरे और आखिरी चरण के लिए वोट डाले जा रहे हैं। सुबह सात बजे से मणिपुर के 6 जिलों की 22 विधानसभा सीटों पर मतदान जारी है। सुबह 7 बजे से अब तक 47.19 फीसदी मतदान हो गया है। बूथों पर अब भी लंबी लाइनें हैं।

मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लम्बी-लम्बी कतारें देखने को मिल रही है। आज जिन 22 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान हो रहा है। उनमें लिलोंग, थौबल, वांगखेम, हीरोक, वांगजिंग तेंथा, खंगाबो, वाबगई, काकचिंग, हियांग्लाम, सुगनू, जिरीबाम, चंदेल (एसटी), तेंगनौपाल (एसटी), फुंग्यार (एसटी), उखरुल (एसटी) चिंगाई (एसटी), करोंग (एसटी), माओ (एसटी), तदुबी (एसटी), तमी (एसटी), तामेंगलोंग (एसटी), और नुंगबा (एसटी) सीटें शामिल हैं। मणिपुर के थौबल जिले के एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के लिए लोग लगातार पहुंच रहे हैं। यहां एक मतदाता ने बताया कि इस चुनाव में बेरोजगारी मुख्य मुद्दा है।

चुनाव ड्यूटी पर आए जवान ने खुद को गोली मारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंदौली। चकिया विधान सभा चुनाव ड्यूटी में आए केरल निवासी सीआरपीएफ आठवीं बटालियन के जवान विपिन (38) ने कल रात खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वह सिकंदरपुर स्थित एसआरबीएस स्कूल में अन्य जवानों के साथ ठहरे हुए थे। प्रथम दृष्टया पुलिस घटना का कारण पारिवारिक तनाव मान रही है। हालाकि अन्य पहलुओं पर भी गहनता से जांच की जा रही है। सिकंदरपुर स्थित एसआरबीएस स्कूल में घटना होने के बाद अन्य साथियों में हड़कंप मच गया। बताया गया कि वह आठवीं बटालियन उड़ीसा में तैनात था।

डीएम आवास के बोर्ड का रंग बदलने के मामले में इंजीनियर सस्पेंड

» विवाद होने पर जिम्मेदारों के खिलाफ एक्शन शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या के जिलाधिकारी आवास के बोर्ड का रंग बदलने के मामले में जिम्मेदारों के खिलाफ एक्शन शुरू हो गया है। विवाद के तूल पकड़ने के बाद अब पीडब्ल्यूडी के जूनियर इंजीनियर अजय कुमार शुक्ला को सस्पेंड कर दिया गया है। अब यह कहा जा रहा है कि अधिकारियों को संज्ञान में लिए बिना डीएम आवास का बोर्ड बदला गया था।

बता दें कि अयोध्या के जिलाधिकारी नीतीश कुमार के सरकारी आवास पर मरम्मत का काम चल रहा था। इस दौरान उनके आवास के बोर्ड का रंग 24 घंटे में तीन बार बदला गया। भगवा, हरा, लाल रंग बदलने पर सियासी सवाल उठ गए थे। जब

जिलाधिकारी से इस बारे में जानकारी मांगी गई थी तो उन्होंने पीडब्लूडी के अधिकारियों से बात करने को कहा था। इस मामले में समाजवादी पार्टी ने निशाना साधा था। सपा ने कहा था कि अधिकारी मौसम वैज्ञानिक होते हैं। अयोध्या सदर से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी तेज नारायण पांडे ने कहा था कि अधिकारियों को पहले से पता लग जाता है कि कौन सी सरकार आ रही है और कौन सी सरकार जा रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।